

भाजपा कार्यालय में लगे विधायक जिंदाबाद व मुर्दाबाद के नारे

डिटिविज ग्रुप रिपोर्ट

जुंझवा, मंगलगढ़ में विधायक चुनाव को लेकर सार्वजनिक तौर से लगे हैं। भाजपा-कांग्रेस सोनिया समूह राजकीयक इतर प्रचार-कार्य में जुटे हुए हैं। सोसल कोड का इस्तेमाल भाजपा कार्यलय में डेटाक लेने पहुंचे इंटर सोसल सोसल लवलावनी के खामने जवकर इस्तेमाल देखने को मिला। एक ओर विधायक समर्थकों ने खुदका विधायक केन्द्र बनाया के सम्भने में डिटिविज के नारे लगाए, तो वहीं दूसरी ओर से कार्यकर्ताओं ने विधायक मुर्दाबाद के नारे लगा दिए। देखते ही देखते पूरे भाजपा कार्यलय का माहौल गंम गंम। ये देख इंटर सोसल सोसल लवलावनी ने बीच-बचाव कर इस्तेमाल कर रहे कार्यकर्ताओं को सम्मवादा देकर शांत करवाया। इंटर सोसल ने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी का कार्यलय है, यहां किसी के पक्ष में नारे नहीं लगे, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में नारे लगे हैं। उन्होंने पूरे सम्भने को लेकर समझाई देते हुए कहा कि ये शक्ति प्रदर्शन नहीं है, परिहार बरदा है। सभ को अपने बात कहने का अधिकार है। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं को बात सुनानी है और आपो तक पहुंचानी है। कार्यकर्ताओं में डिटिविज है। सभी कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के विधायक के नारे लगा रहे थे।

बाघ के हमले में चरवाहे की मौत

डिटिविज ग्रुप रिपोर्ट

उमरिया। मंगलगढ़ टाउनर रिजर्व में बाघ के हमले में चरवाहे की मौत हो गई। अधिकारी मौत पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। हकीमों को बुलाकर पूरे जांच में सहित करवा जा रही है। परिश्रम अधिकारी मुकेश अहिरवार ने बताया कि सम्भनेजन शरीर में (60) ग्राम मात्रा निशान मंगलु कर परिश्रम में मरनेवाली बोक आकर वजन 359 ग्राम में मरनेवाली पाया गया। इसी जंतु का वजन ने इस्तेमाल कर दिवार रिजर्व के सूबों के मुनिफिक, 1 जनवरी 2023 से 2 अक्टूबर 2023 तक मंगलु कर परिश्रम में मरनेवाली के नाम आधिकारी ने इस्तेमाल में 5 इस्तेमालों की मौत हो चुकी है। वहीं, पूरे जांच रिजर्व क्षेत्र में 13 आधिकारी की जांच गई है। इसके साथ ही करवाहे को 50 इस्तेमालों को वजन आधिकारी ने फायल किया है।

नहर के पानी में डूबने से दो दोस्तों की मौत

सभाना। सतना नहर के बाधरी छोरे से होकर बहने वाली बामना नहर की लोकर पूरवा नहर में दोस्तों की जल सम्भने हो गई। पानी में डूबने से दोस्तों की मौत हो गई। मीठाखोरा में दोने के शरन निशान रिजर्व है। जलकारी के मुनिफिक, वन शासक बाका को मंगल के वन मंगलगढ़ की लोकर पूरवा नहर के पानी में डूबने से शक्ति कुर्तीला शक्ति वन, मो. सतनी (17) और मो. अरुणन शक्ति मो. शक्ति (15) दोनों का शरन निशान रिजर्व कालेनी की मौत हो गई। शक्ति का शरन रिजर्व देर शरन निशान रिजर्व गंगा था, जबकि अरुणन का शरन निशान रिजर्व को गंगखोरा में फायल किया।

मंगलनाथ मंदिर को 2 माह में 81 लाख 51 हजार रुपए की आय

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर परिषद में महाशारद लोकर बमने के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ में वृद्धि के साथ ही श्री मंगलनाथ मंदिर में भी बढ़ती संख्या में श्रद्धालुगण दर्शन हुए जांच रहे हैं। इसके साथ ही महाशारद श्री मंगलनाथ मंदिर में प्राप्त पुरान, कारसरां देण,अंक विवाह, कुंभ विवाह, श्रद्धा देण तब अंगक देण आदि के लिए प्रतिश्रित देण पर जगजी भक्ती के द्वारा पुरान मंदिर के पुरानि देण सम्भने करवा जा रही है। मंदिर के प्रशासक के.के.पुलक ने बताया कि मान आगत लक्ष मिलने में वन पुरान मंदिर आगत पुरान की शरनखोरा से 51 लाख 25 हजार रुपये की आय मंदिर खर्चियों को प्राप्त हुई है।

सांध्य दैनिक

"NewsPaper" "NewsPortal" "NewsChannel"

डिटिविज ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectiongroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 87

इंदौर, मंगलवार 03 अक्टूबर, 2023

पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

मेरी त्यथा कथा .. और महेंद्र हार्डिया..

क्या हो रहा है जनप्रतिनिधि के आसपास... नेता की शह या चाय से केतली गरम..!

(विधायक महोदय के खास लोग हैं गुरुर में... कर रहे हैं खराब व्यवहार...)

जी हं पहले मेरा परिचय... राजनीति में कितना है वह देता हूँ... मैंने भी राजनीतिक वातावरण को... बहुत नजदीक से जिया... उस दौर में भी राजनीति होती थी परंतु गंदगी नहीं... सौददा कायम रहती थी... गंदगी होती थी... लेकिन इतनी नहीं... जो लोग कहते हैं की राजनीति में गंदगी है... जो नहीं भाई साहब जहां राज + नीति होती है... वहां कहां गंदगी नहीं होती है... लेकिन जहां रिश्ते राजनीति होती है... वहां गंदगी होती है... वतमान में भी यही हो रहा है...



एल एन अग्र खबर तक मो. 9425039071

मैं राजनीति में सेवा देखा था... विधायक आम आदमी होता था... आम आदमी जहां भी चाहे... वहां मिल सकता था... चाय पान की दुकान या चौराहे पर... ना कोई पी ए... ना कोई और सीधे संपर्क होता था... शिप की परंपरा को अवश्य मैंने देखा है... खैर... आज मैं 'डिटिविज ग्रुप रिपोर्ट' दैनिक समाचार पत्र का... भी आर ओ हूँ... कोई समाचार पत्र बड़ा-छोटा नहीं होता है... सब समान है यदि वे मूल उद्देश्य पर हैं... तो...!

मैंने चुनौती रीकर की... और सोच सोचा क्यों ना इंदौर की राजनीति के... जो मुख्य क्षेत्र जन प्रतिनिधि हैं... उनके साथ संवाद स्थापित किया जा... यहां यह भी उल्लेखनीय है कि... अधिकतम घेरे जो गंवां पर दिखते हैं... मुरकुराते हुए... वे वे नहीं होते हैं... जी हं बहुत सचे वे देखने को मिले हैं... खैर इस क्रम में... मैं... क्षेत्र क्रम 5 के विधायक... माननीय श्री महेंद्र हार्डिया जी... संपर्क करने हेतु उनसे कायालय पर गया... एक बार हार्डिया जी को कहीं जाना था... वह आए मैंने अपना कांड दिया... उन्होंने जे में रखते हुए कहा... 11 00 बजे मिलूंगा... उस दिन उनकी खरसात रही होगी... तो सेंद नहीं हो पाई... दो बार फिर उनसे संपर्क हुआ... लेकिन वार नहीं बनी... पिछले दिवस उनके कायालय पर... लगभग 9 30 पर पहुंचा... वहां जो घटना घटी... उसने मुझे लिखने पर मजबूर किया... मैं घटना लगभग उस की तब लिखने की कोशिश करता हूँ... शायद उनको पता भी नहीं हो कि... उनके वाद उनके लोग कैसे व्यवहार कर रहे हैं... कायालय पर एक सजग मिले... उन्होंने मुझसे पूछा... तब मैंने अपना परिचय दिया... उन्होंने कहा आप तो घर पर ही चले जाओ... नहीं मिलेंगे... मैंने कहा भी... नहीं नहीं आपसे तब मिलूंगा... फिर उन्होंने कहा कि... नहीं नहीं आप वहीं चले जाइए... मैं हार्डिया जी के घर के बाहर जाकर सड़ा

रहा... कुछ समय बाद एक सजग... अपने किसी साथी के साथ नीचे उतरे... तो उनसे मुझसे कहा 'कहिए मैंने कहा 'विधायक महोदय से मिलना है' क्या काम है मैंने कांड देते हुए कहा 'मैं एक अखबार से हूँ' हां तो 'अरे भाई मैं एक अखबार से हूँ... हां तो क्या काम है' बड़े अनमने मन से कांड हाथ में लिया... मैंने कहा 'अखबार वाले क्यों आते हैं' विधायक जी से मिलना है' तब वे बोले 'हां तो काम बताइए ना' मैंने कहा 'आए छोटा सा संवाद परिचय करनी है' उन्होंने कहा... 'नहीं अभी कोई चर्चा नहीं करेंगे' उनके व्यवहार से दुखी होकर... उनके व्यवहार से दुखी होकर मैं बोला 'अरे भाई क्या अखबार वालों से विधायक जी मिलते नहीं... नहीं मिलेंगे' तब मैंने कहा 'कुछ खास कारण' वे बोले 'नहीं मिलेंगे तो नहीं मिलेंगे' तब मैंने फिर से... उनके व्यवहार से दुखी होकर पूछा... आपका मन क्या है सर? (मैं चाहता तो उन्हें सर नहीं कहना... तो) उन्होंने जिस टर्कसे... अवा और फार से अपना नाम बताया... (तब भी चौका...) एक विधायक के खास व्यक्ति या पी.ए. का जो जो भी हो... उनका व्यवहार कैसे होना चाहिए... उन्होंने अपना नाम बताया... हर शब्द पर और और पावर की अदा... और मुझ को वू आ रही थी... 'अंकटर जीर चौधरी' वू लगा... कि जैसे मैं पहली बार 'अंकटर' शब्द सुन रहा हूँ... या फिर वह पहली बार... डॉ रूप में अपना परिचय दे रहे हो... मैं निराह हो गया... उनकी शैली पर... मेरा कांड उन्होंने लौटाते हुए कहा... 'ये उनकी कार खड़ी है... सामने उनका ऑफिस है... वह आए तब मिल लेना... तब मैंने अपनी पहचान बताई... (जो कि प्रभु शायद नहीं बताता चाहिए थी... परंतु उनकी भी अधिक देखी... मैंने कहा 'मिटर में फादर दो बार के विधायक रहे हैं... पत्रकारिता शिक्या कर रहा हूँ' तब वह थोड़े नम से... कहने लगे 'क्या नाम है उनका' ... तब मैंने शिपिजी का नाम ना बताते हुए... उनसे कहा कि 'मैंने चाय से केतली गरम वाली कहात सुनी थी' आज देखने को भी मिली... तब वह फजम डॉ... डॉ... पी... र... डॉ... चौ... पी... र... जी... जा चुके थे... मैंने थोड़ी देर बैठ दिया... और लौटकर... संपादक महोदय को विधायक जी का संवाद साक्षात्कार नहीं होने का और अब नहीं लेने का संदेश दिया...!

■ शेष फिर...

....पाठकों के अनुरोध पर एक बार पुनः प्रकाशन ...

भोपाल मास्टर प्लान पर भाजपा विधायक का बड़ा बयान

शर्मा बोले-मास्टर प्लान रह होगा, नए सिरे से काम करेंगे

● **डिटिविटव ग्या रिपोर्ट**
भोपाल। मास्टर प्लान-2031 पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने फिर बयान उतार है। उन्होंने कहा कि इस मास्टर प्लान को हमने रद्द करने की बात कही है और यह रद्द होगा। मास्टर प्लान पर हम नए सिरे से काम करेंगे। इससे पहले आपगिरी को सुनवाई के दौरान भी विधायक शर्मा नाराजगी जता चुके हैं।

विधायक शर्मा ने कहा कि किसानों का बचत खाता है, उन किसानों ने साधा अचय नहीं होने देना। किसानों को जमीन कृषि क्षेत्र में ले रहे। मिनिंग को अनुमति मिलने से ठीक नहीं तो मास्टर प्लान नहीं आया। प्लान

में कंपैक्ट, उद्योग एवं कृषि उद्योग आदि पर पुनर्विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान या नागरिक को परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस मास्टर प्लान को हमने रद्द करने की बात कही है और यह रद्द होगा। नए सिरे से काम करेंगे प्लान पर हम काम करेंगे। किसान को जमीन एग्रीकल्चर वी और होना। उसे आसानी से दूसरे क्षेत्र में लाना होगा। बिनासे किसान के परिवार को लाभ हो। जीवन छिपने का काम सरकार नहीं करेगी। बैंक उसका जीवन बचाने का काम करेगा। किसानों को अंदोलन करने की जरूरत भी नहीं है, मैं उनके साथ हूँ।

3005 आपतियों पर अगस्त-सितंबर में ले चुकी सुनवाई

भोपाल के मास्टर प्लान का इजाज 20 जून को सरकार ने जारी कर दिया था। इजाज जारी होने के 30 दिन के अंतर पूरे 3005 आपतियों और सुनवाई मिले हैं। इनकी सुनवाई एक वकाली में हुई। प्रथम चरण में 9 से 11 अगस्त तक, द्वितीय चरण में 18 से 23 अगस्त तक तीसरे चरण की सुनवाई 23 से 25 अगस्त, चतुर्थ चरण में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक पांचवें चरण में 4 से 5 सितंबर तक सुनवाई की गई। आठवें चरण को लेकर जनसहभागिता, किसानों, आमजन और प्रशासक से भी अपनी चरमवर्ती जताई थी।

विधायक शर्मा ने सुनवाई के दौरान भी आपति जताई थी

सुनवाई के दौरान 17 अगस्त को प्लान के प्रस्तावों पर विवादक शर्मा ने भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि प्रस्तावित मास्टर प्लान किसी भी किसान विना शर्त की परिस्थितिओं को समझें ही नहीं। अखंड बंद करके बना दिया गया है। वह शर्त की 35 तरह आवादी के साथ बोझी है। विस्थापन से अन्य मुद्दे पर भी नाराजगी जताई है।

3 हजार आपतियों दरकिनारा कर दी गईं

मास्टर प्लान-2031 के फाइनल इजाज पर अब 3000 आपतियों को दरकिनार कर दिया गया है। इनमें से जहाँ कुछ इजाज में फेरल एक छोटा सा बदलाव किया गया है।

ढाई करोड़ के सांप की हो रही थी तस्करी

◆ 3 तस्करो से जब्त किया संडबोआ सांप और 12 नवजून वाला कछुआ

डिटिविटव ग्या रिपोर्ट

विंध्यवाट। विंध्यवाट में संततिव वन प्रभाग की तस्करी का कारोबार जहाँ से जारी है। विशिष्ट वनप्रदाय उम्र समूह हुआ एक वन्यजीविकी प्रभाग में ढाई करोड़ बीमार के संडबोआ सांप और 12 नवजून वाले कछुए के साथ 3 तस्करो को पारखे। दरभंगा संततिव वन प्रभाग की प्रभुता में जहाँ से कटौतन नाके पर संततिव के दौरान यह कारोबार इलाका में है। प्रभुता में तीन संततिव लोगों की तस्करी थी, जिनके पास से ढाई करोड़ का एक मुआजा का दो मुंग बाल सांप (रेड स्केड सीआर) और बाल नावून वाला कछुआ मिला, जो तस्करी के इजाजतदाल के अलावा से पकड़कर अलग कर दिये। यह दोनों प्रभागी संततिव वन्य प्रभागी हैं। इसके चलते अठारहों तस्करी उम्र 18 साल, तीन उम्र उम्र 5.4 साल, अन्य उम्र 27 साल पर विभिन्न प्रभागी में तहत मामला दर्ज करके हिरासत में लिया है। वन्य दे कि दो मुंग बाल सांप तीन शक्तिव कछुए ढाई बने और 12 नवजून वाले कछुए का उठारों सट्टे का नंबर निरकलने व लॉन्ग-नम में लेता है। प्रभुता कारखाने में कौनों प्रभागी एसआइ अफसर पीएच. प्रोफ. आरकाश निखिल उज्ज्वल, अफसर, प्रभुता प्रभाग नागौर, कल्लत बल्लत, सीमा मारकम की मालयुक्त प्रभुता।

सड़क से उतरी बस, 20 से ज्यादा घायल

हवा। जिला वाहन बस अनुमति लाइसेंस सड़क से उतरी में 20 से 25 मिनटों में आकर सड़क के बीच टोकर करीब 3 किलो घुसकर 20 से 25 अधिक घायल की गईं हैं। उन्हे निरकल अवकल से जया वन्य है। प्रभुता मामले की जया वन्य की है।

दुष्कर्म पीड़िता की जीवनखेडी से मिली युष्निफार्म

पुलिस साख्य जुटावने में लगी है ताकि आरोपी को शीघ्र सख्य से सख्य सजा मिल सके

डिटिविटव ग्या रिपोर्ट

उज्जैन। दुष्कर्म पीड़िता सख्य निती की बालिका का डेढर में उपचार जारी है। उन्हे सख्य में सुधार है और डॉक्टरों की टीम डेढर अस्पताल में बन्नी की उपचारण कर रहे हैं। इस प्रभुता में पीडिताओं की उखा के युष्निफार्म करने वाले सख्य निती है। सख्य से जुड़ना सख्य एकांत करने में सख्य है ताकि आरोपी को सख्य से सख्य सजा दे जा सके। आरोपी सजा दिन तक न्युक्ति हिरासत में है।

उत्प्रेक्षणीय है कि 25 सितंबर को सख्य निरकलने बोले के साथ दूध दुष्कर्म के बाद उन्हे सख्य के निरकलने के उपचारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बन्नी की सख्य में उखा सख्य रोक रहा है। उन्हे देखावत के निरकलने 20 डॉक्टरों सहित अन्य सख्य की दृष्टी से लोड है। पूरे सख्य को नई डॉक्टर अंके सख्य रहा है। बन्नी वल्ले सुद्ध भी कुछ पीडिताओं के जा उन्हे दूर लेने लगते हैं जो डॉक्टर सुद्ध उखा सख्य पुंख जते हैं। दृक्के अख्यार बन्नी के पास निरकलने भी जाते हैं अनुमति नहीं है।

सख्य जा रहा है कि बन्नी सख्य भी करने लगी है, लेकिन डॉक्टर उखा सख्य नहीं करते हैं, बन्नी वल्ले बन्नी भाषा में सख्य कर रहे हैं। सख्य वल्ले भी डॉक्टरों की सख्य नहीं समझ पाते हैं। अपर भी बन्नी को निरकलने डाक्टर भी दिया जा रहा है। डॉक्टर अपर भी इस सख्य को सख्य पा रहे हैं कि बन्नी से उठा रहे हैं और निरकलने सख्य लगे। अपर भी निरकलने बन्नी के मध्यम से उठा रहे हैं। बन्नी को सख्य है। महिला डॉक्टर और अन्य सख्य अस्पताल में भर्ती बन्नी की देखावत पीडिता को सख्य कर रहा है।

डिटिविटव ग्या रिपोर्ट

भोपाल। मधुपदेव में मानसुद रिपोर्ट की और है। अख्यार सख्य मानसुद रिपोर्ट में निरकलने जा रहा है। इस सख्य सख्य मिला-जुटा सख्य मानसुद सख्य के अख्यार है। दिन में तीसरी भुच तो देर सख्य पा रहे हैं। सख्य को उठा करके रक सख्यी है। अख्यार के पहले सख्य दो जा तीन दिन सख्ये बखलर भी जाने की सख्य लगे।

भोपाल-मनकम सख्ये बखलर करने तो कहीं-कहीं मजदुरी बुद्धवै भी हो सकती है। सख्य 30 से 32 डिग्री और सख्य जा दो दिन 33 डिग्री से उखर भी पुंख सख्यता है। 15 दिन तक उखर उखर उखर सख्य से सख्यी। 21 दिन तक बन्नी अख्यार के अख्यार सख्य में उखरती उखर सख्यी है। अख्यार सख्य में उखरती सख्ये में उखरती उखर सख्यी है।

बलाघाट और मंडला जिले में हल्की बुद्धवै हुई है। भोपाल, इंदौर, रय्यार, उज्जैन और प्रदेर के दूरसे जिले में दिन में भुच रही। मीरम विषय के मुताकिल सख्ये की खड्डी से निरकलने प्रभुता देर से प्रदेर के मुक्ती हिरसे-उज्जैन, सखलर, शीघ्र सख्य में बखलर से रही है।

दो जिलों से दो सुद्धी मानसुद की रिपोर्ट

प्रदेर के मुक्ती और रय्यार से मानसुद के रिपोर्ट बोले की सख्यता हो गई है। अख्यार 2 से 3 दिन में उखर, रय्यार और अख्यार सख्य से भी उखरती से सख्यी है। 10 अख्यार सख्य से पहले पूरे प्रदेर से मानसुद

भोपाल मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन आज

◆ सुदृष्ट्यमंत्री करीने रवाना; एमपी नगर से डिंपो तक सड़क भी बनाई

डिटिविटव ग्या रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन 3 अक्टूबर को होगा। इसके लिए सुभाष नगर और आरकेएमपी मेट्रो स्टेशनों को जुड़ने का सख्यता है। सुभाषमी इलाका सिंधु सख्य करीने डिंपो हिरासत में है। सख्यी, केंड्रीय सख्य मेट्रो स्टेशन सख्य से आरकेएमपी स्टेशन तक मेट्रो में सख्य भी करेगी। इससे पहले सोराखर नगर से मेट्रो को फिर से ट्रेक पर लाना गया। डीबी मील के सामने, केंड्रीय सख्य, एमपी नगर इलाकों में मेट्रो ने हॉर्न भी बखलवा।

इस, एमपी नगर से सुभाष नगर डिंपो के बीच की सड़क पर इलाकाकरण के बीच है। सख्यी, केंड्रीय सख्य स्टेशन के नीचे का सख्य भी खोल दिया गया है। इससे अख लोको को पुंखकर नहीं जाया पर रहा है। एमपी नगर से तीसरी सुभाष नगर अखरखल और

अखरखल तक आ-जा रहे हैं। जिनके बीच भी सड़क बचने का काम होगा। यह सख्य करीने एक सख्य से बंद था।

मेट्रो के फाइनल ट्रायल रन के चलते एमपी नगर से सुभाषनगर डिंपो के बीच की सड़क बन्द हो गई है। सख्यी, केंड्रीय सख्य मेट्रो स्टेशन सख्य से अखरखल तक सख्य भी खोल दिया गया है।

शुभाषन से पहले कारकलन को संतोषित करेंगे

सुभाषमी रिशारर सिंधु सख्य सख्य 11 बजे मेट्रो के फाइनल ट्रायल रन का सुभाषन करीने। इससे पहले से सुभाष नगर डिंपो में कारकलन को संतोषित करेगी। फिर बोधे को हरी झंडी दिखाएगी। ये मेट्रो में सुभाषन उन्ही कमसख्यी स्टेशन तक पुंखेगी।

ट्रायल रन प्रभुतिवरी बखलर बोधे के सुभाषन से आरकेएमपी स्टेशन के बीच हो होगा। इस दौरान केंड्रीय सख्य, डीबी मील और एमपी नगर स्टेशन भी अखरी। सख्यी, मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन दो दिन पहले से शुभ्य है।

17 सितंबर को भोपाल पहुंचे वे कांच

गुजरात के पोखी (बादर) से करीब 850 किलोग्राम की दूरी तय करके 17 सितंबर को रत में कांच पहुंच आए हैं। 10 सितंबर को उधर लोको में बने इलेक्ट्रिक से लदान पर लाना गया था। इसके बाद खीरनर, सखलर, उज्जैन, मंडल, बलाघाट, डिंपो, निरकल, देवखर, रतलन, नय्यरपुर, हावय, बैलूर, मंडल, मंडल में अंकिता 40 टंच व इससे अंकिता है।

प्रदेश में मानसून विदाई की ओर

जबलपुर, रीवा, शहडोल संभागा में गिरेगा पानी; 21 दिन बाद गुलाबी टंड

विदा ले लेगा। मौसम वैज्ञानिक एयरस यह है बताया कि मानसून को अख्यार उखर से सितंबर तक रहती है। इस हिसाब से मानसुदी सख्यता खानो हो गया है।

प्रदेश में पहिली हिस्से में 3% बखलर जमाव

अखरखल में 1 जून से 1 अक्टूबर तक औसत 37.22 टंच बखलर हो चुके हैं। इस हिसाब से इस तक 0.4% बखलर कम हुई है। सुद्धी हिसाब में 4% बखलर और पहिले हिस्से में 3% अंकिता बखलर हुई है। सख्य जमाव बखलर बखलर बखलर बखलर 51.75 टंच बखलर हुई है, जिनमें सख्य की सख्य बखलर 41.40 टंच है। सख्य 125%

बलाघाट और मंडला जिले में हल्की बुद्धवै हुई है। भोपाल, इंदौर, रय्यार, उज्जैन और प्रदेर के दूरसे जिले में दिन में भुच रही। मीरम विषय के मुताकिल सख्ये की खड्डी से निरकलने प्रभुता देर से प्रदेर के मुक्ती हिरसे-उज्जैन, सखलर, शीघ्र सख्य में बखलर से रही है।

बलाघाट और मंडला जिले में हल्की बुद्धवै हुई है। भोपाल, इंदौर, रय्यार, उज्जैन और प्रदेर के दूरसे जिले में दिन में भुच रही। मीरम विषय के मुताकिल सख्ये की खड्डी से निरकलने प्रभुता देर से प्रदेर के मुक्ती हिरसे-उज्जैन, सखलर, शीघ्र सख्य में बखलर से रही है।

दो जिलों से दो सुद्धी मानसुद की रिपोर्ट

प्रदेर के मुक्ती और रय्यार से मानसुद के रिपोर्ट बोले की सख्यता हो गई है। अख्यार 2 से 3 दिन में उखर, रय्यार और अख्यार सख्य से भी उखरती से सख्यी है। 10 अख्यार सख्य से पहले पूरे प्रदेर से मानसुद

सितनी में दो दिन भूकंप का झटका, तीव्रता 2.9

सितनी। सहर में खेसखर सख्य 7 बजकर 27 मिनट पर भूकंप का झटका मजदुरी मिला गया। रिपोर्ट प्रभाग पर इरकली तीव्रता 2.9 रही। इससे पहले लोको में गिरेगा रत 9.20 बजे के परिवार के सख्य एरस सख्यर सख्य। निरकल सख्य के जान-बखलर के मुताकिल की सखर निरकल नहीं मिली है। नगरिकों ने इरकल लगेने के कारणीयों में सख लपटने की सख की है।

जून जिलों में ऊन बखलर

सखन में सखमे कम 23.62 टंच बखलर हुई है। अंकिता नगर में 23.81 टंच बखलर मिला और खेलेने जिले में भी कम बखलर हुई है।

संपादकीय

सरकारी स्कूलों को तरजीह नहीं

दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्ता के स्तर पर उच्च दर्जे के तौर पर पेश किया जाता है, लेकिन आखिर क्या कारण है कि खुद दिल्ली सरकार के अधिकांश नेता, विधायक आदि अपने बच्चों की अग्री प्रदाई के लिए यहां के सरकारी स्कूलों को तरजीह नहीं देते। अब हालत यह है कि आम लोगों के बच्चों की तलाश भी इन स्कूलों में कम हो रही है। दिल्ली सरकार शिक्षा पर अपने बजट का बीस फीसद से अधिक खर्च करने और शिक्षकों को दिवसी संख्याओं से प्रतिशत दित्तने का दावा करती है। दिल्ली की स्कूलों शिक्षा व्यवस्था में आमूल नूतन परिवर्तन का सब प्रचार किया जाता है। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और शिक्षा मंत्रियों को ही नहीं, दिवसी प्रतिनिधिमंडलों को भी यहां का शिक्षा माडल देखने के लिए आमंत्रित किया जाता है। दिल्ली सरकार इस सबका बह-बंद कर दिखावा भी करती है। लेकिन क्या वास्तव में यहां के स्कूलों में इतना बदलाव आया है कि उन्हें उदाहरण के तौर पर देखा जा सके? सरकार के दावों के उलट सूचना का अधिकार कानून यानी आरटीआइ से मिले आंकड़े इसका निराशाजनक जवाब देते हैं। इसके मुताबिक, राजधानी के सरकारी स्कूलों में मौजूद सर के दौरान विद्यार्थियों की संख्या में तीस हजार तक की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की कुल संख्या आज सत्र लाख नवासी हजार तीन सौ पचासी थी, वहीं वर्ष 2023 में यह घटकर सत्र लाख अठान हजार नौ सौ पचासी रह गई। खास बात यह है कि उतर पश्चिम और मध्य दिल्ली को छोड़ पूरे शहर के स्कूलों में विद्यार्थियों की कमी का रजान एक जैसा है। सरलतः यह है कि अगर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था दूसरे राज्यों के लिए नजीर है, तो फिर यहां बच्चों का स्कूलों से मोह भाग क्यों हो रहा है। दिल्ली की 'आप' सरकार ने लगभग तीन दर्जन स्कूलों को 'डक्टर बीआर आंबेडकर स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस' का दर्जा दिया है। ये वे स्कूल हैं, जिनमें दिल्ली शिक्षा बोर्ड के तहत विशेष विषयों की प्रदाई होती है और इनमें आधारभूत ढांचा और सुविधाएं भी अन्य स्कूलों के मुकाबले बेहतर कही जा सकती हैं। आप सरकार इन्हीं स्कूलों को देना-दुनिया के सामने रखकर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव का दम भरती है। लेकिन क्या इतने भर से पूरे शहर की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के दावों को हकीकत मान लिया जाए? कॉरिड महामारी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपने बच्चों का निजी स्कूलों से निगाल कर सरकारी स्कूलों में दाखला कराया था। इसकी वजह से बीते तीन अकदमिक वर्षों में सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या पंद्रह लाख से बढ़कर अठारह लाख के करीब पहुंच गई थी। लेकिन अब सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की तादाद तेजी से कम हो रही है तो क्या इससे यह पता नहीं चलता कि शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की नहीं है कि लोग अपने बच्चों को वहीं पढ़ाने दें?

अर्ज किया है..!

हॉं ठीक हैं मैं अपनी
अना का मरीज हूँ
आखिर मिरे मिजाज में
कहाँ दखल दे कोई

-जॉन एलिया

11/2/11

MORARI BAPU



सत्य-धर्म-कारण...

www.Chinabhai.org/india

व्यासपीठ से अक्सर कहा जाता है जहां तक हो सके मौन रहना। मौन ऐसा कि जिसमें किसी परम तत्व की स्मृति बनी रहे। ये अभ्यास से आता है। जीवन में थोड़ा मौन रहना सीखें। चौबीस घंटे में एक घंटा या फिर सप्ताह में एक दिन। साल में कुछ दिन या फिर हमारा जन्मदिन आए तो जितनी हमारी उम्र हो, उतने घंटे मौन रखें। शुरुआत में मौन थोड़ा तंग करना लेकिन अभ्यास से मौन भीतर के साथ एक संवाद रचने लगता है।

Parenting

बच्चों पर चिल्लाने वाले पेरेंट्स हो जाएं सावधान मानसिक और शारीरिक विकास पर पड़ सकता है बुरा असर



माता-पिता बच्चों की मूलतः पर उन्हें डटकर समझने की कोशिश करते हैं। यह बच्चों को समझने का प्रयास ही है कि बच्चा मान जाय है पर असल में बच्चों का असर उनके मानसिक पीड़ा देने जैसे होता है। जो अभिभावक बच्चों पर चिल्लाते हैं, वे उनके आत्महान्य, नशीली दवाओं के उपयोग और जेल जाने तक के जोखिम को बढ़ाना देते हैं।

बच्चों पर चिल्लाए जाने से बच्चा मान जाय है पर असल में बच्चों का असर उनके मानसिक पीड़ा देने जैसे होता है। जो अभिभावक बच्चों पर चिल्लाते हैं, वे उनके आत्महान्य, नशीली दवाओं के उपयोग और जेल जाने तक के जोखिम को बढ़ाना देते हैं।

लोग अपने बचपन में मौखिक दुर्व्यवहार का अनुभव करते हैं। अध्यापन के सह-लेखक प्रोफेसर रॉबर्ट आर्चर ने कहा, अक्सर बचपन इस बात से अनजान होते हैं कि उनके चिल्लाने के लाने और 'बेवकूफ' और 'आलसी' जैसे शब्दों से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ब्रिटेन के 20,556 लोगों पर यह अध्ययन किया गया। इन लोगों से बचपन में उनके साथ हुए व्यवहार को लेकर सवाल किए गए थे।

New Delhi

दिल्ली पुलिस की कार्टवाइ: न्यूज क्लिक से जुड़े 30 ठिकानों पर छापेमारी, इलेक्ट्रॉनिक एक्टिविजेंस-मोबाइल जब्त

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली-नयी दिल्ली में सोशल मीडिया के तहत दो छापेमारी की है। सोशल मीडिया के तहत न्यूज क्लिक के परिष्कार पर छापा मारा है। जानकारी के अनुसार, सोस से ज्यादा जगहों पर पुलिस की कार्टवाइ जारी है। छापेमारी के दौरान इलेक्ट्रॉनिक एक्टिविजेंस, मोबाइल जख्त किए हैं। न्यूज क्लिक पर सिटीजी फंडिंग के

मासों में केस दर्ज हुआ था। मिले जानकारी के मुताबिक, एक्टिविजेंस के पूर्व प्रमुख सोशल मीडिया कर्मचारी, उम्मीदवार और अभियंता कर्मचारी को आरोपी संयोगों के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं सांख्यिक कार्कणों सोशल हारामी के पर पर पुलिस ने छापा मारा। न्यूज क्लिक के सीईओ प्रवीर एकावधय के पर पर भी पुलिस ने रड मारा है। सख हो भया सिंह और तीस्ता के पर



पर भी छापेमारी चल रही है। वहीं अभी तक गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है।

आस के योनि में न्यूज क्लिक के चीन से संबंध पालने को उड़ाया था और सोशल मीडिया पर गिरफ्तार मारा। उन्होंने कहा था कि कार्टवाइ, चीन और न्यूज क्लिक एक ही पंजीकृत का हिसाब है। खुद पंजीकृत को न्यूज क्लिक को दुरुस्त में चीन से रजिस्टर सफ देखा जा सकता है। चीन के पर पर छापा मारा देखा जा सकता है। ये भारत गिरफ्तारी एक्टिविजेंस चल रहे हैं।

के बारे में खुलासा किया था कि सिटीजी प्रभार केने भारत को उड़ाया हो रहा है। इस भारत गिरफ्तारी अधिनियम में कमी और अन गिरफ्तारी दल तक संयोगों में आर है। चीनी कंपनीयों को मांगत लौटाया रॉय सिन्धिया के सयोग से न्यूज क्लिक को पंजीकृत के लिए भी था चर्चा है। इसका जख्त हुआ है। लेकिन चीन से सोशल मीडिया भारत के कूटा लोण है, जो उनका संयोगों में आर जब उनके गिरफ्तार कारवाइ की गई।

केटीएम मंत्री अश्रुण ठाकुर ने

Jammu & Kashmir

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकीयों के साथ भीषण मुठभेड़, दो जवान घायल, छिपे हो सकते हैं 4 आतंकी

श्रीनगर, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर में राजौरी के कस्बेबाद इलाके में आतंकीयों और सुरक्षाबलों के बीच भीषण मुठभेड़ जारी है। ड्रिफ्टिंग प्रक्रिया सेलफोन्ट केनल सुवील कश्मीर ने बताया कि आतंकीयों पर जवान राउने के लिए सफलता का इशारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसीयों से इस इलाके में आतंकीयों के छिपे होने की सूचना मिली थी। जवान और आतंकीयों की जगह से आतंकी बच रहे हैं और भारी गोलेबारी चल रहे है। इसके बाद कस्बेबाद इलाके में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना का अभिरक्षण शुरू हो गया।

आतंकीयों का सूचना के मुताबिक जंगल में पर आतंकी छिपे हो सकते हैं जिन्के पास भारी घास में मोला बाउंट भी है। सोवियत शस्त्र को ही आतंकीयों के साथ था मुठभेड़ शुरू हो गई थी। इससे पहले जवान ने मोर और स्या जंगली पाले को खाती करार किया था। पहले सर्वे अभिरक्षण बताया गया और फिर आतंकीयों को गोलियों से रजो। इससे पहले 12 और 13 सितंबर को राजौरी के ही नाराज इलाके में मुठभेड़ हुई थी जिसमें दो आतंकीयों को मार दिया गया था। वहीं 12 सितंबर को ही एक सख अभिरक्षण में एक आतंकीयों को मारा गया था।

Rajasthan

मिठी में दब कर दो मासु माइयों की दम घुटने से मौत

सोवियत को हुए हलकों में टोले पर खेत रड दो पाषणों की दरुनक मोर हो गई। मिठी में टोले 10 और 11 साल के बच्चे मार गए। दम घुटने से उनको मौत हो गई। पाली जिले के एलपुर कालाड़ कस्बे के निरक देव हलकाम डूम, और भर के निरक ही मिठी के टोले पर खेत रड दो पाष मिठी खाने से उनको नये नये हुए जिससे उनको मौत पर हो गया हो गई। जानकारी के अनुसार पल्लू बौरी की छाया में अपने घर के पास को सखाम चौकदार का 11 खोली पुर सखी और माफकाम चौकदार का 11 खोली पुर सखी (11) पर के निरक ही रिशत मिठी के टोले पर खेत रड हो, जिनके घर से बड़े हलकाम मकदूरी पर गए हुए थे। इस टोले अनकक सर टोले की मिठी खर गई और जवान मोर के डर के नीचे दम गए। जिससे उनको मौत हो गई। खेतों पर सखे जब पर नहीं लौटे, तो एक बच्चे की मां नाराजगी देवी बच्चे को खुदने आर-पार हुई, लेकिन उसे खोले बच्चे दिखावा नहीं दिया।

Uttarpradesh

एएमयू में बर्थडे पार्टी में भिड़े दो गुट, ताबड़तोड़ फायरिंग में डाक्टर समेत 3 घायल

अलीगढ़, (एजेंसी) अलीगढ़ पुलिसम विधायकबागल (एएमयू) में सोवियत दर दो गुट आसम में भिड़ गए। इस टोलेम कई राउंड हथियारों में एक ही गुट के लोग छात्र गोलियों समेत से घायल हो गए। जिनके जख्त मेंकिरक कोलीज में भागी कश्मीर गया है। पुलिस पुर प्रकरण में जख्त में टुटी हुई है। एएमयू के सीनियर होल में दर राउ कूडा जब एक सखी को नजदीकम मन रहे है, तोमी खाल पर 8-10 खोलीयों परसमलर कबडको पर सखर लेका आर गये। उनको कई राउंड कबडकोम फायरिंग कर दी और भुना गया। कूडा दर थाद से नहीं लौटे। सखे के कनेजे जॉय सफाकार छात्रों ने सखीको के लिए छात्रों को खुलासा किया।

होल में दूसरे गुट के छात्र पड़े, सभी पर से फायरिंग शुरू हो गई। कई राउंड हथियारों में मुठभेड़क के डर सखीको हो जो एलएन कलेजे से सोवियत की पहाड़ कर रहे है, किसी कसने के सिस्तेमाल में सीएम लोले पड़े थे। इसी बीच पंडे फिलाले में सखीक छात्रक गए। ताबड़तोड़ फायरिंग में गिरिजो अनककम सिनियर गोलू बजवान कबड, अनुकूलम निरसिमी पुनी कुली रडे लालने से घायल हो गए। सखी छात्रों ने आतंकीयों को जख्त मेंकिरक कलेजे में खाल करवाया है। फायरिंग पुर सगमा को छात्र पर एएमयू की प्रोविडेंशियल टीम भी बौके पर खुदू मारी। सिनियर छात्रस इरफातुर विनियम सिंटे में बताया कि एलएन की घटना में तीन छात्र गायल हुए है, जिनका उन्धकार जारी है।

खेल

भारत ने नेपाल को 23 रन से हराया; यशस्वी का शानदार शतक, साई किशोर ने डेब्यू मैच में बनाया रिकॉर्ड

हांगझोक, (एजेंसी) एलएनई टोक 2023 में भारतीय क्रिकेट जीते ने विश्वको आगमन भिन्न है। अपने पहले मैच में भारत ने नेपाल को 23 रन से हराया है। सीधी पहिलता कली टीम होने के कारण भारत को सीधे क्वार्टर फाइनल में खेलेने का मौका मिला और टीम इंडिया ने नेपाल को हराकर सीधे सैमीफाइनल में जाया बना ली। भारत ने टीले जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पुर क्रिकेट पर 202 रन बनाया। इसके जखाम में नेपाल की टीम ने क्रिकेट खोकर 179 रन ही बना सके। भारत के लिए बल्ले से से यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया और 49 गैट में 100 रन को शानदार गुर खेले। टी के साय रवि मिश्रने और आशरा खान ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, भारत के लिए पहिल मैच खोज रहे सीनियर क्रिकेटर ने पहिलीन में आतंकीयों के बल्ले में टीले जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पुर क्रिकेट



पर 202 रन बनाए। पररायी जायसवाल ने सबसे ज्यादा 100 रन का योगदान दिया। रिशम सिंह ने 37, अशुराण और शिखर सिंह ने 25-25 रन बनाए। नेपाल के लिए वेंकिट सिंह ने दो विकेट लिए। रोसमलत कामी और लक्ष्मिकाम को एक विकेट मिला। इसके जखाम में नेपाल की टीम ने क्रिकेट खोकर 179 रन ही बना पाए। सखी जखड 32 रन देकर सिंह ने बनारा संधिन जोर और कुशल सखने से 29, कुशल भुसिने से 28 और कश्मि में 18 रन का योगदान दिया। इस वकस से

नेपाल को टीम भारत को टक्कर देने में सफल रही। भारत के लिए रवि मिश्रने और आशरा खान ने तीन-तीन विकेट लिए। असीदीय को और आर सख क्रिकेटर को एक विकेट मिला। टीले जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने शानदार सुरुआत की। यशस्वी और अशुराण की जोड़ी ने पारलली में 63 रन खेले लिए। यशस्वी नेगी से रन बना रहे थे और 22 गैट में अरुण अर्पणलत परा किया। वहीं, अशुराण अच्यो सय में नहीं थे।

सिनेमा

खूबसूरत दिखने का जूनून बना श्रीदेवी की मूट की वजह? बोनी कपूर ने 5 साल बाद बताया उस रात का सच

बोनी ने कश-उत्तर रोप में राने का उनुन सखार होना था, उनसे अनका दिखने की चाहत थी, वो चाहती थी कि हमेशा रोप में रहे, चाहे अल-खोनी हो या अल-खोनी, वो अखी दिखती थी, और वो हमेशा अचछा दिखने चाहती थी, इसके लिए वो अनकर अपने आसके भूछा रखती थी, वो कई बार फ्रेडा डाक्टर किया करती थी।



श्रीदेवी को मूट कैसे हुई, अथवाक दुख में ऐसा बना हुआ वो उनको जब तक रहे? बताया गया था कि टके में दुखने से उनका देहान हुआ था, लेकिन केस को ने बनाह आरकम हलकामी नहीं हो पाई, कर्मीकं उल्लेख परा में से कोई भी इस बारे में बोनेने को राजी नहीं था, लेकिन अन पालतु कार श्रीदेवी के रिश्तम सखत पति बोनी कपूर ने रन खेले है, उनको बताया कि आशिर केने हो हलका हुआ और कब वो उनको मूट को अनसीद बन गईं? उन्होंने कहा कि 25 रन बनाए। नेपाल के लिए वेंकिट सिंह ने दो विकेट लिए और रोसमलत कामी, असीदीय को और आर सख क्रिकेटर को एक विकेट मिला।

उस रात आशिर हुआ सख था? उनको ने बताया कि वो आस भी श्रीदेवी को बच्चे निस कर रही है, कर्मीको वो रन मेंके रोने के लोने वो हमेशा से चाहती थीं, उनके कने पर ही बोनी ने रोजलत सिनेमाम में ककर कर, फ्रेडा जाहवी करू की ककर कर, फ्रेडा चिटी खुशी करू का डेकर, बोनी ने बताया कि ने सख दुली का सखन था, बोनी कोने भी ललतारु 6 रिश्तमें सारसभ को रिशतलु हो के सिनेमें हुई है, लेकिन ये सखसने दिखने के लिए भी रन चर्चा है। इसका जखत हुआ है। इसीलिए मैंने उनको भी फोटो पालने की थी।

Highlights

1. **Murder, not deaths: Priyanka on 24 deaths in Maha govt hospital**
2. **Social media star J&K DSP, who was praised by Centre, took money from LeT: FIR**
3. **Shopkeeper abused, slapped for asking BJP councillor to pay in UP**
4. **Thousands lost ₹200 cr in crypto fraud in Himachal over 5 yrs**
5. **Empty e-bus gutted in fire in Mumbai's Airoli, video surfaces**

Microsoft CEO Satya Nadella is US govt's star witness in landmark case against Google

NEW DEIHI, (Agency). Microsoft Corp. Chief Executive Officer Satya Nadella said that the notion that users have choice in the search market is "bogus," as he took the stand Monday in the Google antitrust trial.

"You get up in the morning, you brush your teeth and you search on Google," Nadella said.

We're now on WhatsApp. Click to join.

The Department of Justice has accused Alphabet Inc.'s search division of unlawfully maintaining a monopoly by paying \$10 billion a year to rivals, smartphone manufacturers and wireless carriers to make its search engine the default option on mobile devices and web browsers. Google has denied the allegations.

To help prove its case, the DOJ hopes to use testimony from Nadella and other executives from Microsoft to show how even a company



of its size and resources couldn't unlock Google's hold on the search market.

Last week, Microsoft business development executive Jonathan Tinter testified that the Redmond, Washington-based software giant failed to secure a deal to put its Bing search app on Apple's products, even though it was willing to offer far better terms than Google and lose multiple billions of dollars on the agreement. In the end, Apple signed a fresh deal with Google.

Tinter also told the court that Microsoft's Surface Duo

smartphone was required to use Google search in order to license the Android mobile operating system and was limited from using Bing on its own devices. Nadella was personally involved in discussing some of these issues with his Google counterpart, Sundar Pichai, and will probably be asked about those conversations.

Nadella was instrumental in the development of Bing, created by Microsoft in an ultimately doomed attempt to catch up with Google and capture a chunk of the online advertising market.

Who was Harpal Randhawa, Indian billionaire who died in Zimbabwe plane crash?

NEW DEIHI, (Agency). Indian billionaire Harpal Randhawa and his son were among six people who lost their lives after a private plane they were flying in crashed in southwestern Zimbabwe. While the police are yet to disclose the identities of the deceased, noted Zimbabwean journalist-filmmaker Hopewell Chin'ono revealed Harpal and Amer Randhawa as two of the victims. Their memorial service will take place on Wednesday, Chin'ono



added, citing an invitation from the Randhawa family.

We're now on WhatsApp. Click to join.

Who was Harpal Randhawa?

(1) He was the owner of RioZim, a wholly-owned Zimbabwean company that produces gold,

coal, toll refines nickel and copper. The ill-fated aircraft, that crashed on September 29, belonged to RioZim.

(2) The Cessna that took off from Harare, the capital and largest city, was on its way to the Murova diamond mine, also partly owned by the company. The crash took place when the aircraft was nearing its destination, and all six people on board were killed.

(3) According to Randhawa's

LinkedIn profile, he was also serving as the Chairman of GEM Holdings, founded by him in July 1993. GEM Holdings, a private equity firm, is now worth \$4 billion.

(4) As per Ajay Bagga, Chairman, Elyments Platforms Private Limited, Harpal was planning another venture in India.

(5) Amer Randhawa, meanwhile, was a trained pilot and was travelling as a passenger on the flight.

